पुनर्वास विश्व विद्यालय में स्थापित होगा संस्कृत विभाग

- विवि में शैक्षणिक सत्र के एडमिशन ब्रोशर पर लगी मुहर
- पुनर्वास विवि में विद्या परिषद की 35वीं बैठक सम्पन्न

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय सिंह की अध्यक्षता में विद्या परिषद (एकेडमिक काउंसिल) की 35वीं बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में अधिष्ठाता शैक्षिणिक प्रो. वीके सिंह, कुलसचिव रोहित सिंह, कुलानुशाशक प्रो. सीके दीक्षित, अधिष्ठाता शोध एवं विकास प्रो अश्वनी दुबे के साथ ही समस्त संकायों के अधिष्ठाता एवं समस्त विभागों के अध्यक्ष उपस्थित रहे।

इस बैठक में अहम निर्णय लिये गये, जिसमें संस्कृत विभाग की स्थापना का निर्णय लिया गया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी करीकुलम एंड क्रेडिट फ्रेमवर्क ऑफ यूजीसी प्रोग्राम के दिशा निर्देशों के क्रम में भाषा संकाय के अधीन भारतीय भाषाओं के विकल्प के रूप में संस्कृत विभाग की स्थापना का निर्णय लिया गया। विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के एडमिशन ब्रोशर को अनुमोदित किया गया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्गत स्वयम विनिमय 2021 (क्रेडिट फ्रेमवर्क फॉर ऑनलाइन लर्निंग कोर्सेज थ्रू स्टडी वेब्स ऑफ एक्टिव लर्निंग फॉर यंग एस्पायरिंग माइंड) को अंगीकृत करते हुए मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज मूक्स रेगुलेशन 2025 को अनुमोदन प्रदान किया गया, जिसके तहत विश्वविधालय में एनईपी 2020 के अंतर्गत संचालित स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों के प्रत्येक सेमेस्टर में अधिकतम 40 प्रतिशत कोर्सेज को स्वयमप्लेटफॉर्म आधारित मूक्स मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज के रूप में विद्यार्थियों को उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक विभाग में एक मेंटर की नियुक्ति विभागाध्यक्ष द्वारा की जाएगी। इसकी परीक्षा स्वयम पोर्टल पर संपन्न होगी। विश्वविद्यालय में स्नातक, परास्नातक एवं पीएचडी शोध पाठ्यक्रम में प्रवेशित विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के सेमेस्टर व वार्षिक पंजीकरण को समर्थ पोर्टल पर अनिवार्य किये जाने के लिए अनुमोदन प्रदान किया गया। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए विश्वविद्यालय में संचालित स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों में शत प्रतिशत सीटों पर विद्यार्थियों का प्रवेश नेशनल टेस्टिंग एजेंसी, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सीयूईटी के माध्यम से संपन्न कराय जाने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही इंजीनियरिंग एवं फार्मेसी संकाय के अधीन संचालित पाठ्यक्रमों में 50 फीसदी सीटों पर सीयूईटी के माध्यम से एवं 50 प्रतिशत सीटों पर एकेटीयू के माध्यम से प्रवेश के लिए निर्णय लिया गया। एमपीओ की सभी सीटों पर विश्वविद्यालय नेशनल इंस्टिट्यूट के माध्यम से प्रवेश लेगा। पर्यावरणीय शिक्षा पाठ्यक्रमों (जलवायु परिवर्तन, अपशिष्ट प्रबंधन, जैव विवधता संरक्षण एवं सतत विकास) को स्नातक लेवल प्रोग्राम के प्रथम सेमेस्टर में वैल्यू ऐडेड कोर्स के रूप में समाहित करने का निर्णय लिया गया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 21 अगस्त 2024 को जारी गाइडलाइन के अधीन विश्वविद्यालय में कुल 09 नेशनल एजुकेशन पालिसी सारथी (एनईपी-सारथी स्टूडेंट्स अम्बेस्डर फॉर एकेडमिक रिफॉर्म्स एंड ट्रांसफर्मेशन इन हायर एजुकेशन इन इंडिया) नामित किये जाने का निर्णय लिया गया। इनमे से 02 सारथी सम्बद्ध संस्थानों से एवं 07 सारथी विश्वविद्यालय से होंगे, जिनमे 04 दिव्यांग सारथी एवं 05 सामान्य सारथी होंगे। विश्वविद्यालय में वर्ष 2025 के अवकाश की सूची पर अनुमोदन प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय में पूर्व से क्रियाशील भर्ती सेल को भर्ती एवं मूल्यांकन प्रकोष्ट के रूप में प्रतिस्थापित किये जाने का निर्णय लिया गया। यह प्रकोष्ट नियामक संस्थाओं, राज्य सरकार तथा विश्वविद्यालय के अधिनियम एवं परिनियमावली के मानकों के अंतर्गत समस्त शैक्षिक एवं गैर शैक्षिक पदों की भर्ती से सम्बंधित सभी क्रियाकलापों को क्रियान्वित करेगा। साथ ही विश्वविद्यालय के शिक्षकों हेतु लागू कैरियर अडवांसमेंट स्कीम के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करेगा। प्रत्येक माह के अंतिम शिक्षण दिवस को विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा सम्बंधित विद्यार्थियों की उपस्थिति समर्थ पोर्टल पर अपलोड किये जाने का निर्णय लिया गया।

अब 40 प्रतिशत मूक्स कोर्स पढ़ेंगे विद्यार्थी

डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में विद्या परिषद की बैठक में कई प्रस्ताव मंजूर

जासं ● लखनऊ : अब डा. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय में भी एनईपी के अंतर्गत स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों के प्रत्येक सेमेस्टर में छात्र-छात्राओं को अधिकतम 40 प्रतिशत पाठ्यक्रम स्वयम प्लेटफार्म के माध्यम से मैसिव ओपन आनलाइन कोर्सेज (मूक्स) के रूप में पढ़ने के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक विभाग के अध्यक्ष एक मेंटर की नियुक्ति करेंगे, जो मूक्स कोर्सों के चयन आदि में विद्यार्थियों की मदद करेंगे। इनकी परीक्षा स्वयम प्लेटफार्म पर ही होगी। कुलपति आचार्य संजय सिंह की अध्यक्षता में हुई विद्या परिषद की 35वीं बैठक में प्रस्ताव को मंजूरी मिली।

प्रवक्ता प्रो. यशवंत वीरोदय ने बताया कि बैठक में यूजीसी की ओर से जारी क्रेडिट फ्रेमवर्क फार आनलाइन लर्निंग कोर्सेज थ्रू स्टडी वेब्स आफ एक्टिव लर्निंग फार यंग एस्पायरिंग माइंड को अंगीकृत करते हुए मैसिव ओपन आनलाइन कोर्सेज मूक्स (मूक्स) रेगुलेशन 2025 को अनुमोदन प्रदान किया गया है। इसके तहत विद्यार्थियों को अधिकतम 40 प्रतिशत पाठ्यक्रम स्वयम प्लेटफार्म आधारित मूक्स कोर्सेज के रूप में पढ़ने की सुविधा दी जाएगी। इसके अलावा विश्वविद्यालय में स्नातक, परास्नातक एवं पी-एच.डी शोध पाठ्यक्रम में प्रवेशित विद्यार्थियों एवं

कुलपति आचार्य संजय सिंह की अध्यक्षता में विद्या परिषद की बैठक हुई ● विश्वविद्यालय

शोधार्थियों के सेमेस्टर अथवा वार्षिक पंजीकरण को समर्थ पोर्टल पर अनिवार्य किया गया है।

इंजीनियरिंग व फार्मेसी में भी सीयूईटी से प्रवेश : सत्र 2025-26 में इंजीनियरिंग एवं फार्मेसी संकाय के अधीन संचालित विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में 50 प्रतिशत सीटों पर सीयूईटी और शेष 50 प्रतिशत सीटों पर एकेटीयू के माध्यम से प्रवेश का निर्णय लिया गया। इसके अलावा मास्टर इन प्रोस्थेटिक एंड आर्थोटिक (एमपीओ) की सभी 10 सीटों पर विश्वविद्यालय नेशनल इंस्टीट्यूट के माध्यम से प्रवेश लेगा।

खुलेगा संस्कृत विभाग : विश्वविद्यालय में संस्कृत विभाग की स्थापना का निर्णय लिया गया है। यूजीसी की ओर से जारी करीकुलम एंड क्रेडिट फ्रेमवर्क आफ यूजीसी प्रोग्राम के दिशा निर्देशों के क्रम में भाषा संकाय के अधीन भारतीय भाषाओं के विकल्प के रूप में संस्कृत विभाग खोला जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि पर्यावरणीय शिक्षा पाठ्यक्रमों (जलवायु परिवर्तन, अपशिस्ट प्रबंधन, जैव विवधता संरक्षण एवं सतत विकास) को स्नातक स्तर प्रोग्राम के प्रथम सेमेस्टर में वैल्यू ऐडेड कोर्स के रूप में समाहित करने का निर्णय भी लिया।

बनेंगे नौ सारथी : यूजीसी के निर्देश पर विश्वविद्यालय में नौ एनईपी सारथी (स्टूडेंट्स अम्बेस्डर फार एकेडमिक रिफार्म्स एंड ट्रांसफार्मेशन इन हायर एजुकेशन इन इंडिया) नामित किए जाएंगे। दो सारथी सम्बद्ध संस्थानों व सात सारथी विश्वविद्यालय से होंगे। इनमें भी चार दिव्यांग, पांच सामान्य सारथी होंगे।

इन प्रस्ताव भी लगी मुहर

- विश्वविद्यालय में वर्ष 2025 के अवकाश की सूची पर अनुमोदन
- भर्ती सेल को भर्ती एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ के रूप में स्थापित करना
- प्रत्येक माह के अंतिम शिक्षण दिवस को शिक्षकों की ओर से संबंधित विद्यार्थियों की उपस्थिति समर्थ पोर्टल पर अपलोड करना।

क्रेडिट ट्रांसफर सहित आनलाइन कोर्स को मिली मंजूरी

जासं ● लखनऊ: छात्र-छात्राओं की शिक्षा को और लचीला व गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए केएमसी की अकादमिक परिषद ने मंगलवार को क्रेडिट ट्रांसफर व आनलाइन शिक्षा के नए दिशा-निर्देशों को मंजूरी दे दी है। यूजीसी के स्वयम प्लेटफार्म के माध्यम से आनलाइन शिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए क्रेडिट फ्रेमवर्क, 2021 को अपनाने का निर्णय लिया गया है। इस पहल के तहत छात्र-छात्राएं स्वयम, एनपीटीइएल और अन्य मान्यता प्राप्त मूक्स प्लेटफार्म से पाठ्यक्रम पूरा कर अपने डिग्री पाठ्यक्रम में क्रेडिट स्थानांतरित कर सकेंगे। क्रेडिट ट्रांसफर से विद्यार्थियों के लिए नामांकन प्रक्रिया को अधिक सरल व पारदर्शी बनाने के लिए स्वयम नोडल अधिकारी की ओर से प्रस्तावित फार्मेट को मंजूरी दी गई। साथ ही, आनलाइन पाठ्यक्रमों में नामांकन की अनुमति के लिए एक नया अनुमति पत्र जारी करने का निर्णय लिया गया। बैठक में पीएच.डी समन्वयक प्रो. एहतेशाम अहमद के प्रस्ताव पर पांच शोधार्थियों को पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने की भी घोषणा की गई। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. जेपी. पांडे ने की। प्रो. बलराज चौहान, प्रो. एसपी शुक्ला, प्रो. रजा अब्बास नैय्यर, प्रो. हैदर अली, प्रो. शालिनी और अन्य वरिष्ठ शिक्षाविद मौजूद रहे।

कुलपति की अध्यक्षता में 35वीं विद्या परिषद की बैठक में निर्णय लिया गया

पुनर्वास विवि में सभी कोर्स की 100 फीसदी सीट पर सीयूईटी से दाखिले

व्यवस्था

लखनऊ, संवाददाता। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के शैक्षिक सत्र 2025-26 में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से आयोजित सीयूईटी के जरिए ही स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले लिए जाएंगे। जबकि इंजीनियरिंग और फार्मेसी संकाय के अधीन संचालित पाठ्यक्रमों में 50 फीसदी सीट पर सीयूईटी और 50 प्रतिशत सीट पर एकेटीयू काउंसलिंग के माध्यम से एडमिशन लिया जाएगा।

इसके अलावा एमपीओ की सभी सीटों पर विश्वविद्यालय नेशनल इंस्टिट्यूट के जरिए प्रवेश लेगा। यह निर्णय कुलपति आचार्य संजय सिंह की अध्यक्षता में हुई 35वीं विद्या परिषद की बैठक में लिया गया है।

कुलपति का कहना है कि जलवायु परिवर्तन, अपशिष्ट प्रबंधन, जैव विवधता संरक्षण एवं सतत विकास जैसे पर्यावरणीय शिक्षा पाठ्यक्रम को

स्नातक लेवल प्रोग्राम के प्रथम सेमेस्टर में वैल्यू एडेड कोर्स के रूप में समाहित करने का फैसला लिया गया। वहीं अब पुनर्वास विवि में संस्कृत विभाग को भी स्थापित किया जाएगा। इसके लिए यूजीसी की ओर से जारी करिकुलम एंड क्रेडिट फ्रेमवर्क ऑफ यूजीसी प्रोग्राम के दिशा निर्देशों के तहत भाषा संकाय के अधीन भारतीय भाषाओं के विकल्प के रूप में संस्कृत विभाग की स्थापना पर संस्तुति दी गई।

बता दें कि बैठक में अधिष्ठाता शैक्षिणिक प्रो. वीके सिंह, कुलसचिव रोहित सिंह, कुलानुशासक प्रो. सीके दीक्षित, अधिष्ठाता शोध एवं विकास प्रो. अश्वनी दुबे समेत कई अन्य उपस्थित रहे।

50% इंजीनियरिंग और फार्मेसी संकाय में सीयूईटी से प्रवेश

50% बची सीट पर प्रवेश एकेटीयू काउंसलिंग से

- एमपीओ की सभी सीटों पर विश्वविद्यालय अगले सत्र से नेशनल इंस्टीट्यूट के जरिए प्रवेश लेगा

छात्रों का समर्थ पर पंजीकरण करना अनिवार्य

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्नातक, परास्नातक और पीएचडी शोध पाठ्यक्रम में प्रवेशित विद्यार्थियों और शोधार्थियों के सेमेस्टर या वार्षिक पंजीकरण को समर्थ पोर्टल पर अनिवार्य किए जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया। हर माह के अंतिम शिक्षण दिवस को विश्वविद्यालय के शिक्षकों की ओर से संबंधित विद्यार्थियों की उपस्थिति समर्थ पोर्टल पर अपलोड की जाएगी।

स्वयम्-मूक्स से पढ़ें

कुलपति आचार्य संजय सिंह ने बताया कि स्नातक, परास्नातक पाठ्यक्रमों के हर सेमेस्टर में अधिकतम 40 प्रतिशत कोर्सेज को स्वयम् प्लेटफॉर्म आधारित मूक्स के रूप में विद्यार्थियों को उपलब्ध कराया जाएगा। जिसके लिए हर विभाग में एक मेंटर की नियुक्ति विभागाध्यक्ष करेंगे।

इन प्रस्तावों पर भी मुहर

- पुनर्वास विवि में कुल नौ एनईपी-सारथी नामित किए जाएंगे।
- वर्ष 2025 अवकाश सूची पर अनुमोदन प्रदान किया गया।
- विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025 -26 के एडमिशन ब्रोशर को अनुमोदित किया गया।

एक पुण्य का काम है।

शकुन्तला मिश्रा पुनर्वास विवि की विद्या परिषद की बैठक में अहम निर्णय

लखनऊ। डा. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि के कुलपति आचार्य संजय सिंह की अध्यक्षता में विद्या परिषद(एकेडमिक काउंसिल) की 35 वीं बैठक हुई। बैठक मे निर्णय लिया गया कि इंजीनियरिंग और फार्मेसी संकाय में 50 फीसद सीटों पर सीयूईटी और 50 प्रतिशत सीट पर एकेटीयू काउसिल के जरिए प्रवेश दिये जाएंगे। शकुनतला मिश्रा पुनर्वास विवि के शैक्षणिक सत्र 2025-26 में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से आयोजित सीयूईटी के जरिये ही स्नातक व परास्नातक पाठ्य क्रमों में दाखिले लिए जाएंगे। जबकि इंजीनियरिंग और फार्मेसी संकाय के अधीन संचाति 50प्रतिशत सीट पर एकेटीयू काउसिंलग के माध्यम से प्रवेश लिये जाएंगे। इसके अलावा एमपीओ की सभी सीटों पर विविस नेशनल इस्टीट्यूट के जरिये प्रवेश मिलेगा। बैठक में कुलपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, अपशिष्ट प्रबंधन,जैव विविधता संरक्षण जैसे पर्यावणीय शिक्षा पाठ्यक्रम को स्नातक, लोकल प्रोग्राम के प्रथम सेमेस्टर में वैल्यू एडेड कोर्स के रूप में समहित करने का फैसला लिया गया। पुनर्वास विवि संस्कृत विभाग में भी स्थापित किया जाएगा। कुलपति ने बताया कि यूजीसी से निर्गत स्वयंम विनियम 2021 को अंगीकृत करते हुए मोसिव ओपन आनलाइन कोर्सेज मुक्स रेगुलेशन 2025 को अनुमोदित किया गया है।

पुनर्वास विवि : फॉर्मेसी, इंजीनियरिंग में दाखिले अब सीयूईटी व एकेटीयू से

विद्यापरिषद की बैठक में कई प्रस्तावों पर मुहर, यूजी और पीजी के सभी कोर्स में प्रवेश कॉमन एंट्रेंस टेस्ट से

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय शैक्षणिक सत्र 2025-26 में फॉर्मेसी और इंजीनियरिंग कोर्स के सभी दाखिले सीयूईटी (कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट) और एकेटीयू (डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी) की काउंसिलिंग से लेगा। कुलपति प्रो. संजय सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को विश्वविद्यालय में हुई विद्यापरिषद की बैठक में इस पर मुहर लगाई गई।

बैठक में स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रम के सभी कोर्स की सीटों पर सीयूईटी के माध्यम से ही प्रवेश लेने पर सहमति बनी। प्रवक्ता प्रो. यशवंत वीरोदय ने बताया कि बैठक में इंजीनियरिंग व फॉर्मेसी संकाय में 50 प्रतिशत सीटों पर सीयूईटी और 50 प्रतिशत सीटों पर एकेटीयू के माध्यम से प्रवेश लेने को अनुमोदन दिया गया है।

इसके साथ ही पर्यावरणीय शिक्षा पाठ्यक्रमों (जलवायु परिवर्तन, अपशिस्ट प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण एवं सतत विकास) को स्नातक स्तर प्रोग्राम के प्रथम सेमेस्टर में वैल्यू ऐडेड कोर्स के रूप में समाहित करने का निर्णय लिया गया। यूजीसी की गाइडलाइन के क्रम में नेशनल एजुकेशन पालिसी सारथी (स्टूडेंट्स अंबेस्डर फॉर एकेडमिक रिफॉर्म्स एंड ट्रांसफॉर्मेशन इन हायर एजुकेशन इन इंडिया) नामित करने को मंजूरी दी गई, जबकि विश्वविद्यालय में संस्कृत भाषा के विकास और संवर्धन के लिए संस्कृत की स्थापना करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की गई।

बैठक में एडमिशन ब्रोशर, अवकाश सूची, प्रत्येक माह के अंतिम शिक्षण दिवस पर शिक्षकों के माध्यम से विद्यार्थियों की उपस्थिति समर्थ पोर्टल पर अपलोड करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। इसके अलावा विश्वविद्यालय में भर्ती मूल्यांकन सेल की स्थापना को भी अनुमोदन दिया गया।

पुनर्वास विवि में विद्या परिषद की बैठक में मौजूद कुलपति व अन्य सदस्य। स्रोत-विवि

40 प्रतिशत ऑनलाइन कोर्स का करना होगा अध्ययन

प्रवक्ता ने बताया बैठक में स्वयं को अपनाकर मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज (मूक्स) को स्वीकृत किया गया। इसके तहत विद्यार्थी ऑनलाइन स्वयं पोर्टल के माध्यम से 40 प्रतिशत ऑनलाइन कोर्स का अध्ययन करेंगे। विद्यार्थियों का वार्षिक पंजीकरण समर्थ पोर्टल पर अनिवार्य रूप से किया जाएगा।

भाषा विवि में भी बैठक

ऑनलाइन पाठ्यक्रम की निगरानी करेगी समिति

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि में मंगलवार को विद्यापरिषद की बैठक हुई। इसमें छात्रों के लिए क्रेडिट ट्रांसफर, ऑनलाइन पाठ्यक्रमों और शोध कार्य से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। प्रवक्ता डॉ. रुचिता चौधरी के मुताबिक, बैठक में स्वयं पोर्टल और मूक्स के कोर्स कंटेंट का अनुमोदन किया गया। बैठक में परिषद ने ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता और कार्यान्वयन पर निगरानी के लिए स्वयं सलाहकार समिति के गठन को स्वीकृति दी। पीएचडी समन्वयक प्रो. एहतेशाम अहमद के प्रस्ताव पर पांच शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि देने की मंजूरी दी गई। (संवाद)

शकुंतला विवि में संस्कृत की भी होगी पढ़ाई

बीए में अब हिंदी और अंग्रेजी के साथ संस्कृत को भी चुन सकेंगे छात्र

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊः डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में अब संस्कृत भी पढ़ाई जाएगी। इसी सत्र से संस्कृत का यूजी पाठ्यक्रम शुरू होगा, इससे छात्र बीए में अब हिंदी व अंग्रेजी के साथ संस्कृत को भी चुन सकेंगे। अब तक छात्रों के पास दो ही भाषा का विकल्प था। पहले साल में अभी सिर्फ यूजी पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा। इसके बाद संस्कृत में पीजी व अन्य पाठ्यक्रम भी शुरू होंगे। विवि के अकेडमिक काउंसिल ने भी इस पर सहमति दे दी है।

प्रवक्ता प्रो. यशवंत वीरोदय ने बताया कि विवि में भाषा संकाय के तहत अब

तक हिंदी व अंग्रेजी दो विभाग ही संचालित किए जाते थे। संस्कृत को अब तीसरे विभाग के रूप में शुरू किया जा रहा है। इसके लिए अभी कॉन्ट्रैक्चुअल भर्ती कर इसी साल होने वाले दाखिलों में बीए में संस्कृत के दाखिले होंगे। इसके बाद विभाग में स्थाई भर्ती के लिए शासन को भी प्रस्ताव भेजा जाएगा। हमने विभाग के लिए नए पद मांगे हैं। पद स्वीकृत होने के बाद स्थाई शिक्षकों की भर्ती की जाएगी। इसके बाद इस विषय में पीजी के साथ ही शोध कार्य भी शुरू हो सकेगा। संस्कृत की मांग पिछले कुछ सालों में तेजी से बढ़ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने संस्कृत को शुरू करने पर मंजूरी ली है।

अन्य भारतीय भाषाओं पर भी होगा काम

प्रो. यशवंत ने बताया कि संस्कृत के अलावा विवि का फोकस अब भारतीय भाषाओं पर है। अभी हम उर्दू, तमिल अनुवाद के पेपर में पढ़ाते हैं। लेकिन इनके अलग विभाग या कोर्स नहीं है। विवि की तैयारी है कि अन्य भारतीय भाषाओं में भी कोर्स व पेपर शुरू किया जाए।